लोमड़ी और मुर्गा की कहानी – Short Story In Hindi

By - Storiesforkidsbedtime.com

एक छोटे से गांव में एक मुर्गा रहता था। मुर्गा बहुत ही समझदार और चलाक था। एक दिन गांव में एक लोमड़ी आया। लोमड़ी ने देखा की एक मुर्गा पेड़ की टहनी पर बैठा हुआ था। मुर्गे को देखकर लोमड़ी ने विचार किया कि वह मुर्गे को खा जाएगा लेकिन उसके लिए उसे मुर्गे को नीचे बुलाना पड़ेगा।

अब लोमड़ी ने विचार किया कि वह मुर्गे को बेवकूफ बनाएगा और उसे नीचे लेकर आएगा यह सोचकर उसने मुर्गे से कहा, "तुम वहां ऊपर क्या कर रहे हो नीचे आओ नीचे आकर हम दोनों बैठ कर एक साथ बात कर सकते हैं।" ऐसा कह कर लोमड़ी मुर्गे को बेवकूफ बनाना चाहता था।

मुर्गे ने कहा, "नहीं मैं नीचे नहीं आ सकता क्योंकि मैं खूंखार जानवरों से दूर रहता हूं। इसलिए मैं वहां तुम्हारे पास नीचे नहीं आ सकता। मुझे इस बात का डर है कि तुम मुझे दबोच कर खा जाओगे।"

"अरे! तुम्हें नहीं पता," लोमड़ी ने कहा, "आज जंगल में सभी जानवरों ने फैसला किया है कि वह एक दूसरे जानवरों के साथ मिलकर रहेंगे और एक दूसरे का शिकार नहीं करेंगे। इसलिए अब तुम्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। मुझसे भी डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। नीचे आ जाओ हम बैठ कर बात कर सकते हैं।"

मुर्गा लोमड़ी की बातों को सुन रहा था और वह जानता था कि लोमड़ी उसे बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहा है। तो इसी वजह से मुर्गे ने में अपना दिमाग लगाया और उसने लोमड़ी से कहा, "अरे वाह यह तो अच्छी बात है! अगर ऐसा ही है तो हम सब मिलकर एक साथ रह सकते हैं। ऐसा कहने के बाद मुर्गा अपनी गर्दन को ऊपर करके दूर की तरफ देखने लगा।"

मुर्गी को ऐसा करता है देख लोमड़ी सोचने लगा कि आखिर मुर्गा क्या रहा है? इस वजह से उसने मुर्गे से पूछा कि आखिर तुम वहां क्या देख रहे हो? क्या है वहाँ?

"कुछ नहीं बस मुझे देख कर के ऐसा लग रहा है कि कुछ जंगली कुत्ते झुंड में इसी और आ रहे हैं। इसी वजह से मैं अपना गर्दन ऊपर करके उन्हें देख रहा हूं। " मुर्गे ने लोमड़ी से कहा।

यह सुनकर लोमड़ी घबरा गया और वह वहां से निकलने की कोशिश करने लगा। जैसे ही वह वहां से जाने लगी तो मुर्गे ने पूछा, "तुम यहां से क्यों जा रही हो? रुको हम बैठकर बात करने वाले थे और जंगली कुत्ते जब आ जाएंगे तो हम उनके साथ बैठ कर बात कर सकेंगे। "

"नहीं! नहीं! मैं यहाँ नहीं रुक सकता अगर मैं यहां रुका और कुत्ते आ गए तो वह मुझे खा जाएंगे इसीलिए मुझे यहां से जाना पड़ेगा।" लोमड़ी ने कहा।

"अच्छा लेकिन सुबह तो फैसला हुआ था कि जंगल के सारे लोग एक दूसरे के साथ मिलकर रहेंगे और किसी को नहीं मारेंगे तो फिर तुम डर क्यों रहे हो?" मुर्गे ने लोमड़ी से पूछा।

लोमड़ी ने मुर्गे से कहा, "दरअसल बात यह है कि यह खबर अभी तक जंगली कुत्तों तक नहीं पहुंची है। इसीलिए मुझे यहां से भाग कर जाना पड़ेगा। "

यह कहकर लोमड़ी तुरंत ही वहां से भाग गया और इस तरह से मुर्गे ने अपनी जान बचाई और अपनी रक्षा की।

More Stories in Hindi

Also Read – Rapunzel story in Hindi